Roll No. ______________________ [Total No. of Pages : 2

PGIIIS-N 1805 B - 14
M.A. III Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Ancient and Medieval Literature)
Paper No. H.C-3.1
(New Syllabus)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचना : 1. कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. नवां प्रश्न **अनिवार्य** है।

1. भाव पक्ष तथा कला पक्ष की दृष्टि से पद्मावत समय का मूल्यांकन कीजिए। **(6×10=60)**

2. कबीरदास की भक्ति-पद्धति पर प्रकाश डालिए।

3. नागमती वियोगखड़ं के आधार पर नागमाती की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

4. सिद्ध कीजिए कि भ्रमर गीत में निर्गुण पर सगुण भक्ति की विजय हुई है।

5. सुंदर कांड के मार्गिक प्रसंगों को रेखांकित कीजिए।

6. बिहारी की अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए।

7. संत काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांक्ति कीजिए।

8. रीतिकालीन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

9. किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(5×4=20)**

a) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार। लोचन अनंत उघाडिया, अनंत दिखावण हार सतगुरु लई कमांण करि, वांहण लागा तीर एकजु बाह्या प्रीति सूं भीतर रह्या सरीर।

b) चलत मोहि चूडामनि दीन्ही। रघुपति हृदयँ लाय सोइ लीन्हीं नाथ जुगल लोचन भरि बारी। बचन कहेकछु जनक कुमारी। अनुज समेत गहेहु प्रभु चरना। दीनबंधु प्रनतारतिहरना। मन क्रम बचन चरन चरन अनुरागी। केहिं अपराध नाथ हौं व्यागी।

c) षाट महादेइ । हियें न हारू समुझिजीउ, चित चेतु सँभारू। भौर कँव लसंग होइ मेरावा। सँवरि नहे मालति पहं आवा पपिहै स्वाती सौं जस प्रीति। देकुं पियास, बाँधु मनथीती। धरतिहि जैस गगन सौ नेहा। पलटि आव बरषा ऋतु मेहा।

d) सालति है नटसाल सी क्यौं हँ निकसति नाँहि।

मनमथ–नेजा–नोकसी खुभी खुभी जिय माँहि।

जुवति जोन्ह मैं मिलि गई, नैंक न होति लखाइ।

सौंधे कैं डोरैं लगी अली चली संग जइ।

e) सुनियो एक संदेसो ऊधो तुम गोकुल को जात।

ता पाछे तुम कहियो उनसे एक हमारी बात

माता–पिता को हेत जानि कै कान्ह मधुपुरी आए

नाहिन स्थाम तिहारे प्रीतम, ना जसुदा के जाए।

f) थन अति भयौ हुलास, बिगसि जनु कोक किरन–रबि।

अरून अधर तिय सुधर, बिंबफल जानि कीर छबि।

यह चाहत चषा चकित, उह जु तक्किय झरंप्पि झर।

चंचु चहुट्टिय लोभ, लियो तब गहित अप्पकर।

Roll No. ____________________ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-N 1808 B - 14
M.A. IIIrd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Hindi Women Literature)
Paper No. SC-3.1
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

नोट : 1. कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. नवां प्रश्न अनिवार्य है।

1. महिला साहित्य के स्वरूप को समझाइए। **(6×10=60)**

2. महिला साहित्य के वैश्विक परि दृश्य पर प्रकाश डालिए।

3. महिला साहित्य की परम्परा का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

4. महिलावाद के संदर्भ में भारतीय दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

5. महिला विमर्श की प्रतीतियों को स्पष्ट कीजिए।

6. लेखिका कृष्णा सोबती का साहित्यिक परिचय दीजिए।

7. सिटकिनी कविता का विश्लेषण कीजिए।

8. प्रभाखेतान को आत्मकथा को संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए।

9. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए **(5×4=20)**

a) बेजगह

b) हाकी खेलती लडकियाँ

c) मधू भँडारी

d) थृणाल पांडे

e) नाखिरा शर्मा

f) रमणिका गुप्ता

Roll No. ______________________ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-N 1806 B - 14
M.A. IIIrd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
Hindi Language
Paper No. - H.C-3.2
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचना : 1. कुल **सात** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. नवां प्रश्न **अनिवार्य** है।

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं पर प्रकाश डालिए। **(10×6=60)**

2. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के वर्गीकरण पर एक लेख लिखिए।

3. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएँ समझाइए।

4. हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था का विश्लेषण कीजिए।

5. हिन्दी की शब्द रचना को सोदाहरण समझाइए।

6. संज्ञा को परिभाषित करते हुए उसके भेदों को समझाइए।

7. राज भाषा हिन्दी के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

8. देवनागरी लिपि के मानकीकरण पर प्रकाश डालिए।

9. किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए। **(5×4=20)**

a) पालि, प्राकृत

b) पूर्वी हिन्दी

c) हिन्दी उपसर्ग

d) हिन्दी वचन

e) राष्टभाषा हिन्दी

f) मशीनी अनुवाद

Roll No. ______________________ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-N 1807 B - 14
M.A. IIIrd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
Hindi Linguistics
Paper No. H.C-3.3
(New Syllabus)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचना : 1. कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. नवां प्रश्न अनिवार्य है।

1. भाषा विज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। **(6×10=60)**
2. भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय दीजिए।
3. स्वनविज्ञान का स्वरूप बताते हुवे उसकी शाखाओं को विशद कीजिए।
4. सपिम की अवधारणा स्पष्ट करते हुवे उसके भेद और प्रकार गिनाइए।
5. अर्थविज्ञान की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
6. भाषा विज्ञान और साहित्य के अर्तसम्बन्ध की समीक्षा कीजिए।
7. स्वन की अवधारणा विशद् करते हुवे स्वनों का वर्गीकरण कीजिए।
8. वाक्य की अवधारण स्पष्ट करते हुवे उसके प्रमुख भेद बताइए।
9. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए। **(5×4=20)**
   a) अर्थ परिवर्तन।
   b) गहन संरचना एवं बाहन संरचना।
   c) स्वनिक परिवर्तन
   d) अभिहितात्वथवाद
   e) तुलनात्मक भाषा विज्ञान
   f) अर्थदर्शी और संबंध दर्शी।

Roll No. ______________________________ [Total No. of Pages : 2

PGIIIS-O 1805-A B - 14
M.A. IIIrd Semester (Non-CBCS) Degree Examination
Hindi
Special Study of Nirala as a Poet
Paper No. XI
(Old)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

खण्ड – अ

सूचना : निम्नलिखित किन्ही '**छः** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. कवि निराला के संघर्षमर्या काव्य व्यमितत्व का परिचय दीजिए। **(10×6=60)**
2. सिद्ध कीजिए कि निराला एक प्रयोगधर्मी कवि हैं।
3. 'तुलसीदास' खण्ड काव्य की सांस्कृतिक मूल्यों की आलोचना कीजिए।
4. 'वह तोडती' पत्थर कविता की समीक्षा अपने शब्दों में कीजिए।
5. 'छायावादी कवि निराला ' विषय पर एक निबंध लिखिए।
6. 'कुकुरमुत्ता' काव्य की भाषायो शैली की विशेषता दर्ज कीजिए।
7. तुलसीदास और निराला के काव्य में निहित वैचारिक साभ्यता का निरूपण कीजिए।
8. 'राम की शक्तिपूज' की मनोवैज्ञानिक निरूपण की विशेषता बताइए।

खण्ड – आ

9. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(10×2=20)**

अ) करना होगा यह तिमिट पाट
देखना सत्य का मिहिर–द्धार–
बहना जीवन के प्रखर ज्वार में निश्चय –
लडना विरोध से द्धन्द्ध–समट–
र–सत्य–मार्ग पर स्थिर निर्मट–
जाना, भिहा भी देह, निज घर निःसंशय।

अथवा

ऐसे क्षण अन्धकार घन में जैसे विद्युत जागी पृथ्वी-तनया-कुमारिका-छवि, अच्युत
देखते हुए निष्पलक याद आदर उपवन
विरेह का,-प्रथम स्नेह का लतान्तराल मिलन.

इ) भावण-नभ का स्तब्धान्धकार।
शुम्ला प्रथमा, कर गयी पार।
धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका।

अथवा

सोचा-विश्व का नियम निश्चल जो जैसा उसको वैसा फल देती यह प्राकृति- स्वयं सदया
सोचने को न कुछ रहा नया।

Roll No. ______________________ [Total No. of Pages : 2

PGIIIS-O 1806-A B - 14
M.A. IIIrd Semester (Non - CBCS) Degree Examination
Hindi
Tulsidas : Special Study of Poet
Paper No. XI
(Old Syllabus)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

खण्ड – अ

सूचना : निम्नलिखित किन्ही '**छः** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. तुलसीदास का काव्य मानवीय मूल्यों का अद्भुत प्रतिपादक है इम्त कथन की सत्यता बताइए।

(10×6=60)

2. तुलसीदास की साहित्यक व्यक्तित्व की विशेषता स्पष्ट कीजिए।

3. विनय–पडिका की रचना उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

4. उत्तर–काँड में निरूपित रामराज्य व्यवस्था की विशेषता दर्ज कीजिए।

5. गीतावली के आधार पर तुलसी की भावाभिव्यँजन शैली का महत्व प्रस्तुत कीजिए।

6. रामचरित मानस की आलोचना दलित विमर्श के आयाम से कीजिए।

7. उत्तर काँड में निरूपित कार्मिक प्ररूगों पर प्रकाश डालिए।

8. वैष्णव भक्ति आंदोलन में तुलसीदास का क्या स्थान है? चर्चा कीजिए।

खण्ड – आ

9. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(10×2=20)**

अ) बलि पूजा चाहत नहीं, चाहत इक प्रीति।

सुनिरत ही मानै भलो, पापन सब रीति।।

देहि रूकल रूख, दुख ददै, आरत–जन–बंधु।

गुन गहि, अध औगुन हरे, अस(प्रभु) करूना सिंधु।।

आ) माधव, मोह-पास क्यो टटै?

बाह्य कोटि उपाय कप्पि अभ्यँतर ग्रन्थ न छूटै ॥

घृतपूरन कराह अँतरगत ससि-प्रतिबिम्ब दिखावै ।

उदन अनल लगाद कल्पसत, औरत नास न पावै ॥

इ) राम बिरह सागर महँ भरत मगन मन होत ।

बिप्र रूप धरि पवन सुत आइ गदक जनु पोत ॥

बैठे देखि कुसासन जटा मुकुट कृस गात ।

राम-राम रघुपति जपत स्रवत नयन जलजात ॥

Roll No. ______________________ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-O 1807-A B - 14
M.A. IIIrd Semester (Non - CBCS) Degree Examination
Hindi
Linguistics
Paper No. XII
(Old Syllabus)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

खण्ड - अ

किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(10×6=60)**

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी व्याप्ति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
2. भाषा संरचना के स्वरूप का उल्लेख करते हुए उसके अध्ययन की विविध दिशाओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. स्वनिमिक विश्लेषण के विविध रूपों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
4. वाक्य का विश्लेषण करते हुए उसके निकटस्थ अवयवों की चर्चा कीजिए।
5. वाक्य के विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
6. अर्थ की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए, शब्द और अर्थ के संबंधों का उल्लेख कीजिए।
7. साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
8. शब्द और अर्थ के पारस्परिक संबंधों की समीक्षा कीजिए।

खण्ड - आ

9. किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए **(5×4=20)**

   a) भाषा अभिलक्षण

   b) भाषा व्यवहार के विविध रूप।

   c) भाषा और समाज

   d) अर्थ परिवर्तन के कारण

   e) भाषा अध्ययन की विभिन्न दिशाएं।

   f) स्वनगुण।

Roll No. ______________________________ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-O 1808-A B - 14
M.A. IIIrd Semester (Non CBCS) Degree Examination
Hindi
Study of Hindi Language
Paper No. XIII
(Old)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

खण्ड – अ

सूचना : किन्ही छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(6×10=60)**

1. भारतीय आर्य–भाषाओं के उद्भव और विकास पर एक लेख लिखिए। **(10)**
2. पूर्वी हिन्दी एवं पश्चिमी हिन्दी का सविस्तार परिचय दीजिए। **(10)**
3. हिन्दी के सर्वनामों के इतिहास और महत्व को रेखांकित कीजिए। **(10)**
4. संचार माध्यमों में हिन्दी के विविध स्वरूपों की चर्चा कीजिए। **(10)**
5. राष्ट्भाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए उसके भविष्य पर विचार व्यक्त कीजिए। **(10)**
6. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए। **(10)**
7. अपभ्रंश भाषा के उद्भव और विकास का सविस्तार परिचय दीजिए। **(10)**
8. हिन्दी उपभाषाओं का सविस्तार परिचय दीजिए। **(10)**

खण्ड – आ

9. किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(4×5=20)**

अ) लौकिक संस्कृत।

आ) शौरसेनी।

इ) पहाड़ी बोलियाँ।

ई) हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था।

उ) विशेषण।

ऊ) वाक्य रचना।

Roll No. ________________________ [Total No. of Pages : 2

PGIIIS-O 1809-A B - 14
M.A. IIIrd Semester (Non - CBCS) Degree Examination
Hindi
(Translation-Principle and Practice)
Paper No. - XIV
(Old Syllabus)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

खण्ड – अ

I. किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर किजिए। (10×6=60)

1) अनुवाद क्या है? लिखिए और अनुवाद के क्षेत्र एवं विस्तार का परिचय दीजिए।

2) अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को चर्चा कीजिए।

3) सफल अनुवाद के गुण कौन कौन से हैं? लिखिए।

4) विज्ञान साहित्य के अनुवाद की समस्याओं पर विचार कीजिए।

5) अनुवाद के प्रकारों का परिचय दीजिए।

6) पाठ की अवधारणा तथा प्रकृति पर प्रकाश डालिए।

7) अनुवाद के उपकरण कौन से हैं? लिखिए।

8) अनुवाद की इकाइयों के बारे में लिखिए।

खण्ड – आ

II. निम्नलिखित परिच्छेदों का अनुवाद कीजिए। (10×2=20)

1) कन्नड या, अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

परतंत्रता के समय में विदेशी शासकों ने अपने हित की दृष्टि से भारत में विदेशी भाषा अंग्रेजी को शासन की भाषा के रूप में हम पर लादा था और जिस उद्देश्य विशेष से उन्तों ने ऐसा किया था, उसकी सफलता का प्रतिफल हमारे सामने है, क्यों कि भाषा एक ऐसा अस्त्र है, जिसके द्वारा किसी देश के निवासियों का भात बदला जा सकता है। विदेशी शासकों की इस चाल का हमारी मानसिकता पर बहुत गहरा प्रभाव पडा है और वास्तव में वही बदल गई है। यही कारण है कि देश के स्वतंत्र होने के बाद भी हमारी परतंत्र मानसिकता में कोई बदलाव नहीं आया, अपितु वह और गहरे उतर गई है।

2) हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

ಗುಲಾಬಿ ಹೂವೆಂದರಾಯಿತು, ಅಳತೆಗೂ ನಿಲುಕದ ಸೆಳೆತ ಅದರದು. ಸ್ವತಂತ್ರ ಭಾರತದ ಪ್ರಥಮ ಪ್ರಧಾನ ಮಂತ್ರಿ ಪಂಡಿತ ಜವಾಹರಲಾಲ ನೆಹರೂ ಅವರಿಗೆ ದಿನವೂ ಆ ಹೂವನ್ನು ಕೋಟಿಗೆ ಸಿಕ್ಕಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಆಸೆ. ಅದೆಷ್ಟು ಇದ್ದಿತೆಂದು ಎಲ್ಲರೂ ಬಲ್ಲರು. ಕಂಟಿಯ ಮೇಲೆ ಗುಲಾಬಿಯನ್ನು ಕಂಡೊಡನೆ ಅದನ್ನು ಕಿತ್ತುಕೊಂಡು ತಮ್ಮ ಜಡೆಯನ್ನು ಸಿಂಗರಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಆಸೆ ಹೆಂಗಳೆಯರಿಗೆ. ತಮ್ಮ ಕೈತೋಟದಲ್ಲಿ ಬೆಳೆದ ಹೂವಾಗಿದ್ದರೆ ಮಾತೇ ಬೇರೆ. ಯಾರ ಅನುಮತಿಬೇಕಿಲ್ಲ. ಹೆರವರ ಹೂದೋಟದಲ್ಲಿಯದಾಗಿದ್ದರೆ ಅವರಾಗಿಯೇ ಕೊಟ್ಟರೆ ಸರಿ, ಇಲ್ಲದಿದ್ದರೆ ಬಾಯಿಬಿಟ್ಟು ಕೇಳಬೇಕು. ಪದೇ ಪದೇ ಕೇಳುವದಕ್ಕೆ ಸಂಕೋಚ. ಹೇಳದೆ ಕಿತ್ತುಕೊಳ್ಳಲು ಹೋಗಿ ಸಿಕ್ಕಿ ಹಾಕಿಕೊಂಡರೆ, ಆಗುವ ಅನುಭವ ಕೌರವ ನರಕಕ್ಕೆ ಸರಿ ಸಮ.

अथवा

Power and things will come by themeselves. Put yourself to work and you will find such tremendous power coming to you that you will feel it hard to bear it. Even the least work done for others awakens the power within, gradually instils in to the heart the strength of a lion. I love you all ever so much, but I would wish you all to die working for others-I should be rather glad to see you do that !

Roll No. ______________________________ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-O 1809-B B - 14
M.A. IIIrd Semester (Non-CBCS) Degree Examination
Hindi
Hindi Journalism
Paper No. XV
(Old)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

खण्ड – अ

I. किन्ही 'छछः प्रश्नों के उत्तर किजिए। **(10×6=60)**

1) पत्रकारिता के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
2) विश्वपत्रकारिता के उदय को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
3) भारत में पत्रकारिता के आरम्भ को स्पष्ट कीजिए।
4) समाचाचर संकलन तथा लेखन के प्रमुख आयामो को उद्धारित कीजिए।
5) हिन्दी पत्रकारिता के विषयगत वर्गीकरण को प्रस्तुत कीजिए।
6) स्वतंत्रता संग्राम में पत्रकारिता की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
7) हिन्दी पत्रकारिता के विकास में भारतेन्दु युग की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
8) भूमण्डलीकरण के विकास में सूचना प्रौधागि की भूमिका निर्धारित कीजिए।

खण्ड – आ

II. किन्ही 'चार पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(5×4=20)**

1) सम्पादकीय भूमिका।
2) खोजी पत्रकारिता।
3) साक्षात्कार की विधियाँ।
4) रिपोर्ताज
5) हिन्दी पत्रकारिता और गणेशशंकर विद्यार्थी
6) प्रसार भारती।

PGIIIS-N 1809 B - 14
M.A. IIIrd Semester (CBCS)Degree Examination
Hindi
(Hindi Modern Poetry)
Paper No. OE.3.1
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

Instruction to Candidates

नोट : 1. कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. नवां प्रश्न अनिवार्य है।

1. हिन्दी आधुनिक काव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (6×10=60)
2. हिन्दी आधुनिक काव्य की विशेषताएँ लिखिए।
3. साकेत के नवम सर्ग के आधार पर ऊर्मिला का चरित्र-चित्रण कीजिए।
4. 'चिंता सर्ग' की विशेषताए लिखिए।
5. 'मौन निमंत्रण' कविता का प्रतिपाद्य समझाइए।
6. 'क्या पूजा क्या अर्चन रे' कविता की विशेषताएँ समझाइए।
7. निराला का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
8. 'मोचीराम' कविता का सारांश लिखिए।
9. संदर्भ के साथ स्पष्टीकरण कीजिए। (किन्हीं चार) (4×5=20)

   a) देख वसुधा का यौवन भार

      गूँज उठता है जब मधुमास

      विधुर उर के-से मृदु उद्‌गार

      कुसुम जब खुल पडते सोच्छ्‌वास

b) लौटे युग दला राक्षस पदतल पृथ्वी टलमल,

बिंद महोल्लास से बार बार आकाश विकल।

c) घेरे बोला – राजन पर मैं तो कलावंत हूँ नहीं ,शिष्य साधक हूँ। जीवन के अनकहे सत्य का साक्षी वज्रकीर्ति

d) बाबूजी ! सच कहूँ –मेरी निगाह में न कोई बडा है

मेरे लिये हर आदमी एक जोडी जूता है

जो मेरे सामने

मरम्मत के लिए खडा है

e) सब सभा रही निस्तब्ध !राम के स्तिमित नयन छोडते हुए, शीतल प्रकाश देखते विमन।

f) नमस्कार कर मुडा प्रियंवद केशकम्बली लेकर कम्बल–गेह–गुफा को चला गया। उठ गई सभा, सब अपने –अपने काम लगे युग पलट गया

प्रिय पाठका यों मेरी वीणा भी मौन हुई।